YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 21.01.2017

DAINIK JAGRAN

फरीदाबाद/पलवल

जागरण सिटी

सप्तरंग

सेल्फी न बने जुनून

बौद्धिक संपदा और पेटेंट को लेकर जागरूकता जरूरी : प्रो. दिनेश कुमार (अंदर पढ़ें) दैनिक जागरण नई दिल्ली, 21 जनवरी 2017 www.jagran.com

बौद्धिक संपदा और पेटेंट को लेकर जागरूकता जरूरी : प्रो. दिनेश

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से 'बौद्धिक संपदा और पेटेंट' विषय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व को लेकर जागरूकता लाने का था। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता उद्यमी तथा इफेक्चुवल सर्विसेज, दिल्ली व नोएडा के निदेशक डॉ. अमित गोयल थे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों की बढ़ती प्रासंगिकता को देखते हुए इसकी भूमिका की पहचान देने की आश्यकता है। इस संबंध में बड़े स्तर पर जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा को लेकर जागरूकता एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं विज्ञान, डॉ. राज कुमार की अध्यक्षता में एक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पारूल तोमर ने किया।

डॉ. अमित गोयल को स्मृति स्वरूप पौधा भेंट करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ● जागरण

NEWS CLIPPING: 21.01.2017

DAINIK BHASKAR

शोधार्थियों के लिए अनुसंधान गुणवत्ता और आचरण बेहद जरूरी : प्रो. दिनेश

अनुसंधान गुणवत्ता और आचार के लिए एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर सेमिनार

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में अनुसंधान गुणवत्ता और आचार के लिए एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर शोधपत्र लेखन की जानकारी हासिल की। सेमिनार का उदघाटन प्रो. संदीप ग्रोवर ने दीप प्रज्वलित कर किया। जबकि समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर कुलपति ने शोधार्थियों को अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों के लिए उचित आचरण बेहद जरूरी है।

सेमिनार में केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा में संकायाध्यक्ष, पर्यावरण तथा पृथ्वी विज्ञान डॉ. विनोद कुमार गर्ग तथा राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना संसाधन संस्थान नई दिल्ली में मुख्य वैज्ञानिक तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान पत्रिका के संपादक डॉ. संजय सेन गुप्त मुख्य वक्ता रहे। कुलपति ने मुख्य वक्ताओं को यादगार स्वरूप पौधा प्रदान किया। इससे पूर्व प्रो. संदीप ग्रोवर ने अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता के सुधार पर बल देते हुए कहा कि इस तरह के सेमिनार विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और फैकल्टी सदस्यों के सही शैक्षणिक आचरण के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा शोधपत्र में गुणवत्ता मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। यहां होने वाले अनुसंधान ही विश्वविद्यालयों को अन्य पारंपरिक शैक्षणिक संस्थानों से अलग करते हैं। इसलिए विश्वविद्यालय को अनुसंधान की गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए उचित आचरण को बनाए रखने के लिए प्रयास करना चाहिए।

फरीदाबाद. वाईएमसीए कालेज में आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ताओं को पौधा भेंट करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

सेमिनार के दूसरे सत्र के दौरान डॉ. विनोद कुमार गर्ग ने अनुसंधान गुणवत्ता संकेतकों के बारे में जानकारी देकर हरियाणा में अनुसंधान की गुणवत्ता आउटपुट पर साइंट्रोमेटिक विश्लेषण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा अनुसंधान में साहित्य चोरी एक गंभीर अपराध है और शोधकर्ताओं से इससे बचना चाहिए।

NEWS CLIPPING: 21.01.2017

AAJ SAMAJ

अनुसंधान गुणवत्ता पर सेमिनार आयोजित

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के मानविकी एवं विज्ञान विभाग द्वारा 'अनुसंधान गुणवत्ता और आचार के लिए एकीकृत दृष्टिकोण' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और शोध पत्र लेखन की जानकारी हासिल की। इस सेमिनार का उद्घाटन संकायाध्यक्ष, संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर ने दीप प्रज्वलित द्वारा किया जबकि समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दिनेश कमार मख्यातिथि रहे। कलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शोधार्थियों को अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया और शोधार्थियों के लिए उचित आचरण बेहद जरूरी है। सेमिनार में केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा में संकायाध्यक्ष, पर्यावरण तथा पृथ्वी विज्ञान डॉ. विनोद कुमार गर्ग तथा राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना संसाधन संस्थान, नई दिल्ली में मुख्य वैज्ञानिक तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान पत्रिका के संपादक डॉ. संजय सेन गुप्त मुख्य वक्ता रहे तथा अनुसंधान गुणवत्ता और आचार पर अपने विचार रखे और विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया।